चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	30-11-23	2	2-4

रक्तदान कर हम दूसरों को नई जिंदगी प्रदान करके भर सकते हैं उनमें उमंग : प्रो. बीआर काम्बोज

- इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में लगे शिविर में कुल 180 यूनिट रक्त किया एकत्र
- अच्छा कार्य करने वाले चिकित्सक डा. रिचा और डा. योगेश को किया गया सम्मानित

हकृवि में कार्यक्रम में मुख्यातिथि प्रो. बीआर काम्बोज छात्रा को सम्मानित करते हुए। • जागरण

जागरण संवाददाता, हिसार : रक्तदान महादान है। रक्त का कोई अन्य विकल्प नहीं है। रक्तदान कर हम दूसरों को नई जिंदगी प्रदान कर उनके जीवन को उमंग से भर सकते हैं। युवाओं को रक्तदान जैसी मुहिम मुहिम में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। उन्हें प्राथमिक चिकित्सा जैसी स्कील को भी सीखना चाहिए ताकि समय पर वे दूसरों की जान बचा सकें। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने रखे।

वे विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में आयोजित रक्तदान शिविर में बोल रहे थे। विशिष्ट अतिथि इंडियन रेडक्रास सोसाइटी हरियाणा के महासचिव डा. मुकेश अग्रवाल व जिला रेडक्रास सोसाइटी हिसार के सचिव रविंद्र लोहान भी मंच पर मौजूद रहे। यह रक्तदान शिविर विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय के अंतर्गत यूथ रेडक्रास और राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा संयुक्त रूप से लगाया गया। शिविर में कुल 180 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि पूरा विश्व वसुधैव-कुटुम्बकम की विचारधारा पर आश्रित है, जिसका अर्थ है कि यह पूरा संसार हमारे परिवार के समान है जिसके हित के लिए हमें सदैव तत्पर रहना चाहिए।

उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है, जिसमें हम दूसरों की जिंदगी को बचाकर उनको व उनके परिवारजनों को खुशी प्रदान कर सकते हैं। हमारे शरीर में रक्त बनने की प्रक्रिया लगातार चलती रहती है। कार्यक्रम में छात्र कल्याण निदेशक डा. अतुल ढींगड़ा ने सभी का स्वागत किया, जबकि इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डा. मंजू मेहता ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

पोस्टर मेकिंग में खुशी, आरोहिका और नावियता सम्मानित: पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में विजेता रही कृषि महाविद्यालय की दो छात्रा खुशी व आरोहिका और कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय की छात्रा नावियता को सम्मानित किया। बेहतरीन कार्य करने वाले नागरिक अस्पताल के चिकित्सक डा. योगेश व महाराजा अग्रसेन अस्पताल अग्रोहा की चिकित्सक डा. रिचा को भी सम्मानित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	30-11-23	2	3-5

कार्यक्रम• एचएयू में आयोजित शिविर में 180 यूनिट रक्त किया एकत्रित

विद्यार्थियों को सीखनी चाहिए प्राथमिक चिकित्सा शैली : प्रो. बीआर काम्बोज

भास्कर न्यूज | हिसार

रक्तदान महादान है। रक्त का कोई अन्य विकल्प नहीं है। रक्तदान कर हम दूसरों को नई जिंदगी प्रदान कर उनके जीवन को उमंग से भर सकते हैं। युवाओं को रक्तदान जैसी मुहिम में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। विद्यार्थियों को प्राथमिक चिकित्सा जैसी स्किल को भी सीखना चाहिए ताकि समय पर वे दूसरों की जान बचा सकें। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज व्यक्त किए।

वे विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में आयोजित एक दिवसीय रक्तदान शिविर में मुख्यातिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। इस दौरान विशिष्ट अतिथि के रूप में इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी, हरियाणा के महासचिव डॉ. मुकेश अग्रवाल व जिला रेडक्रॉस सोसाइटी, हिसार के सचिव रविंद्र लोहान भी मंच पर मौजूद रहे। रक्तदान शिविर

शिविर में रक्तदान करते एनसीसी कैडेट्स।

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय के अंतर्गत यूथ रेडक्रॉस और राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा संयुक्त रूप से लगाया गया। शिविर में 180 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया।

इस दौरान मुख्यातिथि ने रक्तदान महादान विषय पर आयोजित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में विजेता रही कृषि महाविद्यालय की दो छात्राएं खुशी व आरोहिका और कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय की एक छात्रा नाक्यिता को सम्मानित किया। साथ ही रक्तदान मुहिम में बेहतरीन कार्य करने वाले नागरिक अस्पताल, हिसार के चिकित्सक डॉ. योगेश व महाराजा अग्रसेन अस्पताल, अग्रोहा की चिकित्सक डॉ. रिचा को भी स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

शिविर आयोजन में यूथ रेडक्रॉस के प्रोग्राम को-ऑर्डिनेटर डॉ. चंद्रशेखर डागर व राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. भगत सिंह, एनसीसी, एनएसएस वॉलंटियर्स ने अहम भूमिका निभाई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	30-11-23	4	1-6

'रक्तदान किसी को नई जिंदगी प्रदान करने के समान'

» शिविर में कुल 180 यूनिट रक्त किया एकत्रित

हिसार, 29 नवम्बर (ब्यूरो): रक्तदान महादान है। रक्त का कोई अन्य विकल्प नहीं है। रक्तदान कर हम दूसरों को नई जिंदगी प्रदान कर उनके जीवन को उमंग से भर सकते हैं। युवाओं को रक्तदान जैसी मुहिम मुहिम में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। उन्हें प्राथमिक चिकित्सा जैसी स्किल को भी सीखना चाहिए, ताकि समय पर वे दूसरों की जान बचा सकें। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में आयोजित एक दिवसीय रक्तदान शिविर में मुख्यातिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे।

इस दौरान विशिष्ट अतिथि के रूप में इंडियन रैडक्रॉस सोसायटी, हरियाणा के महासचिव डॉ. मुकेश अग्रवाल व जिला रैडक्रॉस सोसायटी के सचिव रविंद्र लोहान भी मंच पर मौजूद रहे। यह रक्तदान शिविर विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय के अंतर्गत यूथ रैडक्रॉस और राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा संयुक्त रूप से लगाया गया। शिविर में 180 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया।

छात्रा को सम्मानित करते मुख्यातिथि प्रो.बी.आर. काम्बोज।

इस मौके पर कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि पूरा विश्व वसुधैव-कुटुम्बकम की विचारधारा पर आश्रित है, जिसका अर्थ है कि यह पूरा संसार हमारे परिवार के समान है, जिसके हित के लिए हमें सदैव तत्पर रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है, जिसमें हम दूसरों की जिंदगी को बचाकर उनको व उनके परिवारजनों को खुशी प्रदान कर सकते हैं। उन्होंने रक्तदान संबंधित भ्रांतियों पर बोलते हुए कहा कि हमारे शरीर में रक्त बनने की प्रक्रिया लगातार चलती रहती है। इसलिए रक्तदान का मानव स्वास्थ्य पर कोई बुरा प्रभाव नहीं पड़ता है। हम हर तीन माह में एक बार रक्तदान कर सकते हैं। इससे हमारा शरीर स्वस्थ व तंदुरूस्त रहता है और नया खून बनने से हमारे अंदर नए रक्त का संचार होता है।

रक्तदान एक निस्वार्थ सेवा : मुकेश अग्रवाल

विशिष्ट अतिथि डॉ. मुकेश अग्रवाल ने बताया कि रक्तदान एक नि:स्वार्थ सेवा व श्रद्धा है, जिसका कोई अन्य विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा कि 18 से 65 साल आयु वर्ग के लोग हर 3 माह में रक्तदान कर सकते हैं। इस मुहिम में रैडक्रॉस सोसायटी बड़ी भूमिका अदा कर रही है।

विशिष्ट अतिथि ने उपस्थित युवाओं को अधिक से अधिक रक्तदान करने और समाज से जुड़े हित कार्यों में आगे आने के लिए प्रेरित करने वाले वाक्यों में कहा कि जरूरी नहीं है हर वक्त जुबां पर भगवान का नाम हो, वो लम्हा भी भक्ति भाव का होता है, जहां इंसान-इंसान के काम आता है। 2022-23 में केवल हरियाणा प्रांत के रक्तदाताओं से 3.24 लाख यूनिट रक्त एकत्रित किया गया, जोकि लोगों की सकारात्मक सोच को दर्शाती है। डॉ. अग्रवाल ने हरियाणा सरकार द्वारा समय-समय रक्तदान से संबंधित चलाए जा रहे अभियानों और योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ	30-11-23	5	2-6

रक्तदान कर हम दूसरों को नई जिंदगी प्रदान कर उनके जीवन को उमंग से भर सकते हैं: काम्बोज

- रक्तदान शिविर में कुल 180 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया।
- पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में खुशी व आरोहिका सम्मानित

सच कहूँ/श्याम सुन्दर सरदाना

हिसार। रक्तदान महादान है। रक्त का कोई अन्य विकल्प नहीं है। रक्तदान कर हम दूसरों को नई जिंदगी प्रदान कर उनके जीवन को उमंग से भर सकते हैं। युवाओं को रक्तदान जैसी मुहिम मुहिम में बढ़-चढकर भाग लेना चाहिए। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में आयोजित रक्तदान शिविर में मुख्यातिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। इस दौरान विशिष्ट अतिथि के रूप में इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी, हरियाणा के महासचिव डॉ. मुकेश अग्रवाल व जिला रेडक्रॉस सोसाइटी, हिसार के सचिव रविंद्र लोहान भी मंच पर मौजूद रहे। यह रक्तदान शिविर विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय के अंतर्गत यूथ रेडक्रॉस और राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा संयुक्त रूप से लगाया गया।

रक्तदान शिविर में मुख्यातिथि प्रो.बी.आर. काम्बोज छात्रा को सम्मानित करते हुए।

इस दौरान मुख्यातिथि ने रक्तदान महादान विषय पर आयोजित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में विजेता रही तीन छात्राओं, जिनमें कृषि महाविद्यालय की दो छात्राएं खुशी व आरोहिका और कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय की एक छात्रा नावियता को सम्मानित किया। साथ ही रक्तदान मुहिम में बेहतरीन कार्य करने वाले नागरिक अस्पताल, हिसार के चिकित्सक डॉ. योगेश व महाराजा अग्रसेन अस्पताल, अग्रोहा की चिकित्सक डॉ. रिचा को भी स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने सभी का स्वागत किया, अधिष्ठाता डॉ. मंजू मेहता ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

शिविर को सफल बनाने में यूथ रेडक्रॉस के प्रोग्राम को-ऑर्डिनेटर डॉ. चंद्रशेखर डागर व राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. भगत सिंह, एनसीसी, एनएसएस सहित अन्य वॉलंटियर्स ने अहम भूमिका निभाई। इस दौरान विश्वविद्यालय व इससे जुड़े सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, शिक्षाविद्, शोधार्थी सहित विद्यार्थी भी मौजूद रहें।

रक्तदान एक नि:स्वार्थ सेवा: अग्रवाल

विशिष्ट अतिथि डॉ. मुकेश अग्रवाल ने बताया कि रक्तदान एक निस्वार्थ सेवा व श्रद्धा है, जिसका कोई अन्य विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा कि 18 से 65 साल आयु वर्ग के लोग हर तीन माह में रक्तदान कर सकते हैं। 2022-23 में केवल हरियाणा प्रांत के रक्तदाताओं से 3.24 लाख यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। शिविर में कुल 180 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	30-11-23	5	3-5

रक्तदान कर हम दूसरों को नई ज़िंदगी प्रदान कर भर सकते हैं उनमें उमंग : प्रो. बी.आर. काम्बोज

शिविर में कुल 180 यूनिट रक्त एकत्रित किया

हिसार, 29 नवम्बर (विरेंद्र वर्मा) : रक्तदान महादान है। रक्त का कोई अन्य विकल्प नहीं है। रक्तदान कर हम दूसरों को नई जिंदगी प्रदान कर उनके जीवन को उमंग से भर सकते हैं। युवाओं को रक्तदान जैसी मुहिम मुहिम में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। उन्हें प्राथमिक चिकित्सा जैसी स्कील को भी सीखना चाहिए ताकि समय पर वे दूसरों की जान बचा सकें। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में आयोजित एक दिवसीय रक्तदान शिविर में मुख्यातिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। इस दौरान विशिष्ट अतिथि के रूप में इंडियन रैडक्रॉस सोसाइटी, हरियाणा के महासचिव डॉ. मुकेश अग्रवाल व जिला रैडक्रॉस सोसाइटी, हिसार के सचिव रविंद्र लोहान भी मंच पर मौजूद रहे। यह रक्तदान शिविर विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय के अंतर्गत यूथ रैडक्रॉस और राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा संयुक्त रूप से लगाया गया।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि पूरा विश्व वसुधैव-कुटुम्बकम की विचारधारा पर आश्रित है, जिसका अर्थ है कि यह पूरा संसार हमारे परिवार के समान है जिसके हित के लिए हमें सदैव तत्पर रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है, जिसमें हम दूसरों की जिंदगी को बचाकर उनको व उनके परिवारजनों को खुशी प्रदान कर सकते हैं। उन्होंने रक्तदान संबंधित भ्रांतियों पर बोलते हुए कहा कि हमारे शरीर में रक्त बनने की प्रक्रिया लगातार चलती रहती है। इसलिए रक्तदान का मानव स्वास्थ्य पर कोई बुरा प्रभाव नहीं पड़ता है। हम हर तीन माह में एक बार रक्तदान कर सकते हैं। इससे हमारा शरीर स्वस्थ व तंदुरूस्त रहता है और नया खून बनने से हमारे अंदर नए रक्त का संचार होता है। इस दौरान मुख्यातिथि ने रक्तदान महादान विषय पर आयोजित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में विजेता रही तीन छात्राओं, जिनमें कृषि महाविद्यालय की दो छात्राएं खुशी व आरोहिका और कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय की एक छात्रा नावियता को सम्मानित किया। साथ ही रक्तदान मुहिम में बेहतरीन कार्य करने वाले नागरिक अस्पताल, हिसार के चिकित्सक डॉ. योगेश व महाराजा अग्रसेन अस्पताल, अग्रोहा की चिकित्सक डॉ. रिचा को भी स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

रक्तदान शिविर में रक्तदाताओं को बैच लगाकर उनका उत्साहवर्धन करते मुख्यातिथि।

शिविर में रक्तदान करने वाले वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, शोधार्थियों, कर्मचारियों सहित विद्यार्थियों का मुख्यातिथि ने हालचाल जाना साथ ही बैच लगाकर उनका उत्साहवर्धन भी किया। शिविर में कुल 180 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। कार्यक्रम में छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने सभी का स्वागत किया, जबकि इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू मेहता ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। शिविर को सफल बनाने में यूथ रैडक्रॉस के प्रोग्राम को-ऑर्डिनेटर डॉ. चंद्रशेखर डागर व राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. भगत सिंह, एनसीसी, एनएसएस सहित अन्य वॉलंटियर्स ने अहम भूमिका निभाई। इस दौरान विश्वविद्यालय व इससे जुड़े सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, शिक्षाविद, शोधार्थी सहित विद्यार्थी भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भूमि	30-11-23	12	3-8

कार्यक्रम

रक्तदान कर हम दूसरों को नई जिंदगी प्रदान कर भर सकते हैं उनमें उमंग : प्रो. काम्बोज

हरियाणा कृषि विवि के शिविर में 180 यूनिट रक्त एकत्रित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

रक्तदान महादान है। रक्त का कोई अन्य विकल्प नहीं है। रक्तदान कर हम दूसरों को नई जिंदगी प्रदान कर उनके जीवन को उमंग से भर सकते हैं। युवाओं को रक्तदान जैसी मुहिम मुहिम में बढ़-चढकर भाग लेना चाहिए। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में आयोजित एक दिवसीय रक्तदान शिविर में मुख्यातिथि के रूप में संबोधित करते हुए कही। इस दौरान विशिष्ट अतिथि के रूप में इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी, हरियाणा के महासचिव डॉ. मुकेश अग्रवाल व जिला रेडक्रॉस सोसाइटी के सचिव रविंद्र लोहान भी मंच पर मौजूद रहे। यह रक्तदान शिविर विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय के अंतर्गत यूथ रेडक्रॉस और राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा संयुक्त रूप से लगाया गया। शिविर में कुल 180 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। पोस्टर मेकिंग में खुशी, आरोहिका और नावियता सम्मानित इस दौरान मुख्यातिथि ने रक्तदान महादान विषय पर आयोजित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में विजेता रही तीन छात्राओं, जिनमें कृषि महाविद्यालय की दो छात्राएं खुशी व आरोहिका और कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय की एक छात्रा नावियता को सम्मानित किया। साथ ही रक्तदान मुहिम में बेहतरीन कार्य करने वाले नागरिक अस्पताल हिसार के चिकित्सक डॉ. योगेश व महाराजा अग्रसेन अस्पताल, अग्रोहा की चिकित्सक डॉ. रिचा को भी स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस मौके पर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा, इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू मेहता, यूथ रेडक्रॉस के प्रोग्राम को-ऑर्डिनेटर डॉ. चंद्रशेखर डागर व राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. भगत सिंह आदि मौजूद रहें।

हिसार। रक्तदान पर पोस्टर मेकिंग की विजेता एक छात्रा को सम्मानित करते विवि कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज।

रक्तदान एक निस्वार्थ सेवा : डॉ. अग्रवाल

विशिष्ट अतिथि डॉ. मुकेश अग्रवाल ने बताया कि रक्तदान एक निस्वार्थ सेवा व श्रद्धा है, जिसका कोई अन्य विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा कि 18 से 65 साल आयु वर्ग के लोग हर तीन माह में रक्तदान कर सकते हैं। इस मुहिम में रेडक्रॉस सोसाइटी बड़ी भूमिका अदा कर रही है। डॉ. अग्रवाल ने बताया कि 2022-23 में केवल हरियाणा प्रांत के रक्तदाताओं से 3.24 लाख यूनिट रक्त एकत्रित किया गया, जोकि लोगों की साकारात्मक सोच को दर्शाती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	30-11-23	4	3-6

आयोजन

एचएयू में शिविर में 180 लोगों ने किया रक्तदान, पोस्टर मेकिंग में खुशी, आरोहिका और नावियता सम्मानित

दूसरों की जान बचाने के लिए प्राथमिक चिकित्सा का प्रशिक्षण जरूरी

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। एचएयू के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में आयोजित शिविर में 180 लोगों ने रक्तदान किया। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा कि रक्तदान महादान है।

रक्त का कोई विकल्प नहीं है। रक्तदान कर हम दूसरों को नई जिंदगी प्रदान कर उनके जीवन को उमंग से भर सकते हैं। युवाओं को रक्तदान मुहिम हर तीन से छह महीने में रक्तदान में हिस्सा लेना चाहिए, उन्हें प्राथमिक चिकित्सा का प्रशिक्षण जरूर लेना चाहिए ताकि समय पर वे दूसरों की जान बचा सकें। इस दौरान उन्होंने पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता की विजेता कृषि महाविद्यालय की छात्रा खुशी व आरोहिका और कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय की छात्रा नावियता को सम्मानित किया। नागरिक अस्पताल के चिकित्सक डॉ. योगेश व महाराजा अग्रसेन अस्पताल अग्रोहा की चिकित्सक डॉ. रिचा को भी स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

रक्तादाताओं का उत्साहवर्धन करते मुख्यातिथि प्रो. बीआर कांबोज व अन्य। स्रोत संस्थान

विशिष्ट अतिथि डॉ. मुकेश अग्रवाल ने बताया कि 18 से 65 साल आयु वर्ग के सभी लोग हर तीन माह में रक्तदान कर सकते हैं।

इस मौके पर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा, इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू मेहता, डॉ. चंद्रशेखर डागर, डॉ. भगत सिंह मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	30.11.23	7	3-5

हकृवि के शिविर में 180 ने किया रक्तदान

हिसार, 29 नवंबर (हप्र)

'रक्तदान महादान है। रक्त का कोई अन्य विकल्प नहीं है। रक्तदान कर हम दूसरों को नयी जिंदगी प्रदान कर उनके जीवन को उमंग से भर सकते हैं। युवाओं को रक्तदान जैसी मुहिम में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। उन्हें प्राथमिक चिकित्सा जैसी स्किल को भी सीखना चाहिए, ताकि समय पर वे दूसरों की जान बचा सकें।'

यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कही। वे विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में आयोजित रक्तदान शिविर में मुख्यातिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। इस दौरान विशिष्ट अतिथि के रूप में इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी, हरियाणा के महासचिव डॉ. मुकेश अग्रवाल व जिला रेडक्रॉस सोसाइटी, हिसार के सचिव रविंद्र लोहान भी मंच पर मौजूद रहे। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय के अंतर्गत यूथ रेडक्रॉस और राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा संयुक्त रूप से लगाए गये इस शिविर में 180 लोगों ने रक्तदान किया। कार्यक्रम में छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने सभी का स्वागत किया, जबकि इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू मेहता ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

हिसार में बुधवार को रक्तदान पर पोस्टर मेकिंग की विजेता एक छात्रा को सम्मानित करते हकृवि के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज। -हप्र

पोस्टर मेकिंग में खुशी, आरोहिका, नाविया सम्मानित

मुख्यातिथि ने रक्तदान महादान विषय पर आयोजित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में विजेता रहीं कृषि महाविद्यालय की दो छात्राओं खुशी व आरोहिका और कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय की छात्रा नाविया को सम्मानित किया। साथ ही रक्तदान मुहिम में बेहतरीन कार्य के लिए नागरिक अस्पताल हिसार के चिकित्सक डॉ. योगेश और महाराजा अग्रसेन अस्पताल, अग्रोहा की चिकित्सक डॉ. रिचा को भी स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	30-11-23	7	6-8

गन्ने की फसल के साथ फूलगोभी, बंदगोभी, धनिया व मेथी की फसल ले बढ़ाएं आमदनी

हकृवि ने जारी की शरदकालीन गन्ने की फसल के लिए गाइडलाइन

यशपाल सिंह | हिसार

गन्ने की फसल के साथ फूलगोभी, बंदगोभी, धनिया आदि की अंतर फसल को सफलतापूर्वक उगाया जा सकता है। गन्ने के साथ मेथी, सरसों, लहसुन, चना, मसूर, मटर, आलू, मूली और शलजम की फसलें भी ली जा सकती है।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि शरद ऋतु के गन्ने के बेहतर अंकुरण के लिए बिजाई के 5-7 दिन बाद बेड पर अंतरफसलों की बुवाई की जा सकती है। अंतर फसलों की बुवाई के बाद खुड्डों में हल्की सिंचाई करें। यदि सिंचाई के लिए पानी सीमित हो तो वैकल्पिक खुड्डों में सिंचाई करें।

अंतर फसलें लेते समय विशेष सावधानी बरती जानी चाहिए। जैसे कम अवधि की किस्मों को उगाना, अंतरफसल की सीधी व कम फैलने वाली किस्में, दोनों फसलों की अनुशंसित खुराक व चयनात्मक शाकनाशी का प्रयोग करें। अंतरफसलों की कटाई तक इनकी आवश्यकता अनुसार सिंचाई करें। अधिकांश अंतर फसलों में पेंडीमेथालिन 700-1000 मिली का प्रयोग, दोनों फसलों की बुवाई के तुरंत बाद प्रभावी पाया गया है।

गन्ने की मुख्य फसल के लिए परामर्श

खेत में गन्ने की फसल के साथ लगाई गई गोभी की फसल।

एचएयू में गन्ने की फसल के साथ लगाई गई मेथी की फसल।

- क्षेत्रीय अनुसंधान निदेशक डॉ राजबीर गर्ग ने बताया की गन्ने की मोढ़ी फसल की कटाई जमीन की सतह के साथ करें।
- बीज वाली फसल में 15 से 20 दिन के अंतराल पर सिंचाई करें और यदि पानी की उप्लब्धता कम हो तो हर दूसरे खुड में सिंचाई करें।
- तराई बेधक कीट की रोकथाम हेतु गन्ने की फसल को गिरने से बचाए व अच्छी प्रकार बंधाई करें, पुरानी पत्तियों को उत्तार दें।
- लाल सड़न रोग से ग्रस्त खेत का पानी दूसरे खेतों में न जाने दें व लाल सड़न रोग से ग्रसित खेत में मोढ़ी फसल न लें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे	29.11.2023	--	--

हकृवि में रक्तदान शिविर का आयोजन, 180 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया

रक्तदान कर हम दूसरों को दे सकते हैं नई जिंदगी : प्रो. काम्बोज

पांच बजे न्यूज

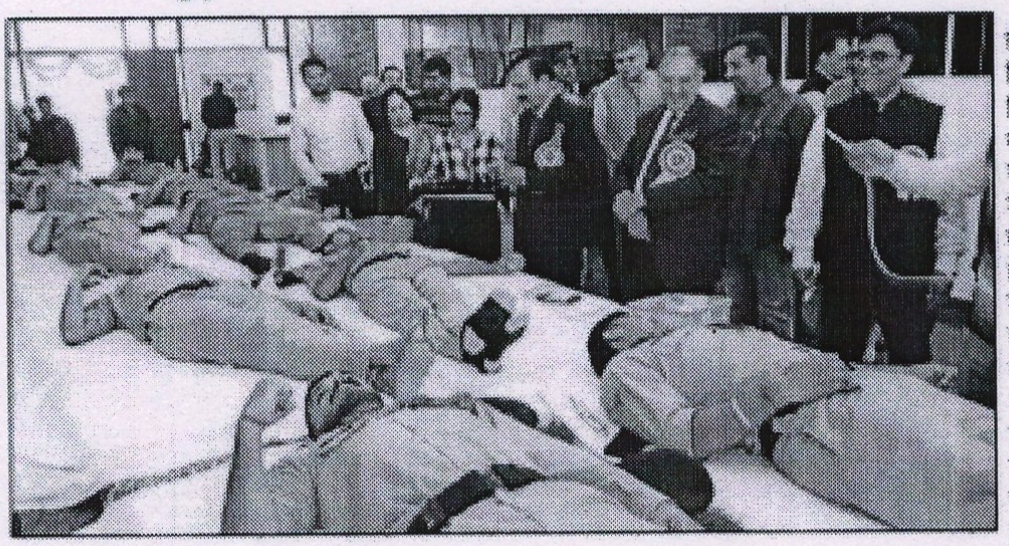

हिसार। रक्तदान महादान है। रक्त का कोई अन्य विकल्प नहीं है। रक्तदान कर हम दूसरों को नई जिंदगी प्रदान कर उनके जीवन को उमंग से भर सकते हैं। युवाओं को रक्तदान जैसी मुहिम मुहिम में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। उन्हें प्राथमिक चिकित्सा जैसी स्कील को भी सीखना चाहिए ताकि समय पर वे दूसरों की जान बचा सकें। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में आयोजित एक दिवसीय रक्तदान शिविर में मुख्यातिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। इस दौरान विशिष्ट अतिथि के रूप में इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी, हरियाणा के महासचिव डॉ. मुकेश अग्रवाल व जिला रेडक्रॉस सोसाइटी, हिसार के सचिव रविंद्र लोहान भी मंच पर मौजूद रहे। यह रक्तदान शिविर विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय के अंतर्गत यूथ रेडक्रॉस और राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा संयुक्त रूप से लगाया गया।

प्राथमिक चिकित्सा जैसी स्कील को सीखना आज के समय की मांग : कुलपति

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि पूरा विश्व वसुधैव-कुटुम्बकम की विचारधारा पर आधारित है, जिसका अर्थ है कि यह पूरा संसार हमारे परिवार के समान है जिसके हित के लिए हमें सदैव तत्पर रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है, जिसमें हम दूसरों की जिंदगी को बचाकर उनको व उनके परिवारजनों को खुशी प्रदान कर सकते हैं। उन्होंने रक्तदान संबंधित भ्रांतियों पर बोलते हुए कहा कि हमारे शरीर में रक्त बनने की प्रक्रिया लगातार चलती रहती है। इसलिए रक्तदान का मानव स्वास्थ्य पर कोई बुरा प्रभाव नहीं पड़ता है। हम हर तीन माह में एक बार रक्तदान कर सकते हैं। इससे हमारा शरीर स्वास्थ्य व तंदुरुस्त रहता है और नया खून बनने से हमारे अंदर नए रक्त का संचार होता है। इस दौरान मुख्यातिथि ने रक्तदान महादान विषय पर आयोजित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में विजेता रही तीन छात्राओं, जिनमें कृषि महाविद्यालय की दो छात्राएं खुशी व आकांक्षा और कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय की एक छात्रा नंदिता को सम्मानित किया। साथ ही रक्तदान मुहिम में बेहतरीन कार्य करने वाले नागरिक अस्पताल, हिसार के चिकित्सक डॉ. योगेश व महाराजा अग्रसेन अस्पताल, अग्रोहा की चिकित्सक डॉ. रिचा को भी स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

रक्तदान एक निस्वार्थ सेवा : मुकेश अग्रवाल

विशिष्ट अतिथि डॉ. मुकेश अग्रवाल ने बताया कि रक्तदान एक निस्वार्थ सेवा व श्रद्धा है, जिसका कोई अन्य विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा कि 18 से 65 साल आयु वर्ग के लोग हर तीन माह में रक्तदान कर सकते हैं। इस मुहिम में रेडक्रॉस सोसाइटी बड़ी भूमिका अदा कर रही है। विशिष्ट अतिथि ने उपस्थित युवाओं को अधिक से अधिक रक्तदान करने और समाज से जुड़े हित कार्यों में आगे आने के लिए प्रेरित करने वाले वाक्यों में कहा कि जरूरी नहीं है हर वक्त जुबां पर भगवान का नाम हो, वो लम्हा भी भक्ति भाव का होता है, जहां इंसान-इंसान के काम आता है। 2022-23 में केवल हरियाणा प्रांत के रक्तदाताओं से 3.24 लाख यूनिट रक्त एकत्रित किया गया, जोकि लोगों की सकारात्मक सोच को दर्शाती है। डॉ. अग्रवाल ने हरियाणा सरकार द्वारा समय-समय रक्तदान से संबंधित चलाए जा रहे अभियानों और योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा की। रेडक्रॉस से सीधे तौर पर 2400 युवाओं को सीधे तौर पर जोड़ा है, जोकि स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों व समाज में जाकर अधिक से अधिक युवाओं को रक्तदान करने के लिए प्रेरित करेंगे। उन्होंने 40 विश्वविद्यालयों में रक्तदान मुहिम से जुड़ने और उनमें चल रही गतिविधियों व कार्यों के बारे सभी जानकारियां साझा की। उन्होंने कहा कि स्कूल स्तर पर जूनियर रेडक्रॉस सोसाइटी का गठन किया गया है, जोकि रक्तदान करने से संबंधित भ्रांतियों को दूर करने का काम करते हैं। डॉ. अग्रवाल ने अनेक महान पुरुषों के प्रसंग सुनाकर उपस्थित शिक्षक-गैरशिक्षक, कर्मचारियों सहित छात्र-छात्राओं को निस्वार्थ भाव से रक्तदान करने के लिए जागरूक किया।

शिविर में रक्तदान करने वाले वैज्ञानिकों, शिक्षकों, शोधार्थियों, कर्मचारियों सहित विद्यार्थियों का मुख्यातिथि ने हालचाल जाना साथ ही बैच लगाकर उनका उत्साहवर्धन भी किया। शिविर में कुल 180 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। कार्यक्रम में छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने सभी का स्वागत किया, जबकि इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू मेहता ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। शिविर को सफल बनाने में यूथ रेडक्रॉस के प्रोग्राम को-ऑर्डिनेटर डॉ. चंद्रशेखर डागर व राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. भगत सिंह, एनसीसी, एनएसएस सहित अन्य वॉलंटियर्स ने अहम भूमिका निभाई। इस दौरान विश्वविद्यालय व इससे जुड़े सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, शिक्षाविद्, शोधार्थी सहित विद्यार्थी भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	29.11.2023	--	--

रक्तदान कर हम दूसरों को नई जिंदगी प्रदान कर भर सकते हैं उनमें उमंग : प्रो. काम्बोज

रक्तदान शिविर में कुल 180 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। रक्तदान महादान है। रक्त का कोई अन्य विकल्प नहीं है। रक्तदान कर हम दूसरों को नई जिंदगी प्रदान कर उनके जीवन को उमंग से भर सकते हैं। युवाओं को रक्तदान जैसी मुहिम मुहिम में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। उन्हें प्राथमिक चिकित्सा जैसी स्कील को भी सीखना चाहिए ताकि समय पर वे दूसरों की जान बचा सकें। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में आयोजित रक्तदान शिविर में मुख्यातिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। इस दौरान विशिष्ट अतिथि के रूप में इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी, हरियाणा के महासचिव डॉ. मुकेश अग्रवाल व जिला रेडक्रॉस सोसाइटी, हिसार के सचिव रविंद्र लोहान भी मंच पर मौजूद रहे।

रक्तदान शिविर में रक्तदाताओं को बैच लगाकर उनका उत्साहवर्धन करते कुलपतिजी।

कुलपति ने कहा कि रक्तदान महादान है, जिसमें हम दूसरों की जिंदगी को बचाकर उनको व उनके परिवारजनों को खुशी प्रदान कर सकते हैं। उन्होंने रक्तदान संबंधित भ्रांतियों पर बोलते हुए कहा कि हमारे शरीर में रक्त बनने की प्रक्रिया लगातार चलती रहती है। इसलिए रक्तदान का मानव स्वास्थ्य पर कोई बुरा प्रभाव नहीं पड़ता है। हम हर तीन माह में एक बार रक्तदान कर सकते हैं। इससे हमारा शरीर स्वस्थ व तंदुरूस्त रहता है और नया खून बनने से हमारे अंदर नए रक्त का संचार होता है। इस दौरान मुख्यातिथि ने रक्तदान महादान विषय पर आयोजित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में विजेता रही तीन छात्राओं, जिनमें कृषि महाविद्यालय की दो छात्राएं खुशी व आरोहिका और कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय की एक छात्रा नाविशता को सम्मानित किया।

विशिष्ट अतिथि डॉ. मुकेश अग्रवाल ने बताया कि रक्तदान एक निस्वार्थ सेवा व श्रद्धा है, जिसका कोई अन्य विकल्प नहीं है। इस मुहिम में रेडक्रॉस सोसाइटी बड़ी भूमिका अदा कर रही है।

उन्होंने कहा कि स्कूल स्तर पर जूनियर रेडक्रॉस सोसाइटी का गठन किया गया है, जोकि रक्तदान करने से संबंधित भ्रांतियों को दूर करने का काम करते हैं। डॉ. अग्रवाल ने अनेक महान पुरूषों के प्रसंग सुनाकर उपस्थित शिक्षक-गैरशिक्षक, कर्मचारियों सहित छात्र-छात्राओं को निस्वार्थ भाव से रक्तदान करने के लिए जागरूक किया। शिविर में कुल 180 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	29.11.2023	--	--

हकृवि में रक्तदान शिविर का आयोजन, 180 यूनिट रक्त एकत्रित

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। रक्तदान महादान है। रक्त का कोई अन्य विकल्प नहीं है। रक्तदान कर हम दूसरों को नई जिंदगी प्रदान कर उनके जीवन को उमंग से भर सकते हैं। युवाओं को रक्तदान जैसी मुहिम मुहिम में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। उन्हें प्राथमिक चिकित्सा जैसी स्कील को भी सीखना चाहिए ताकि समय पर वे दूसरों की जान बचा सकें। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में आयोजित एक दिवसीय रक्तदान शिविर में मुख्यातिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। इस दौरान विशिष्ट अतिथि के रूप में इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी, हरियाणा के महासचिव डॉ. मुकेश अग्रवाल व जिला रेडक्रॉस सोसाइटी, हिसार के सचिव रविंद्र लोहान भी मंच पर मौजूद रहे। यह रक्तदान शिविर विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय के अंतर्गत युवा रेडक्रॉस और राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा संयुक्त रूप से लगाया गया।

प्राथमिक चिकित्सा जैसी स्कील को सीखना आज के समय की मांग : कुलपति

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि पूरा विश्व वसुधैव-कुटुम्बकम की विचारधारा पर आधारित है, जिसका अर्थ है कि यह पूरा संसार हमारे परिवार के समान है जिसके हित के लिए हमें सदैव तत्पर रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है, जिसमें हम दूसरों की जिंदगी को बचाकर उनको व उनके परिजनों को खुशी प्रदान कर सकते हैं। उन्होंने रक्तदान संबंधित भ्रांतियों पर बोलते हुए कहा कि हमारे शरीर में रक्त बनने की प्रक्रिया लगातार चलती रहती है। इसलिए रक्तदान का मानव स्वास्थ्य पर कोई बुरा प्रभाव नहीं पड़ता है। हम हर तीन माह में एक बार रक्तदान कर सकते हैं। इससे हमारा शरीर स्वस्थ व तंदुरुस्त रहता है और नया खून बनने से हमारे अंदर नए रक्त का संचार होता है। इस दौरान मुख्यातिथि ने रक्तदान महादान विषय पर आयोजित पेंटर मेकिंग प्रतियोगिता में विजेता रही तीन छात्राओं, जिनमें कृषि महाविद्यालय की दो छात्राएं खुशी व आयशिका और कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय की एक छात्रा नंदिनी को सम्मानित किया। साथ ही रक्तदान मुहिम में बेहतरीन कार्य करने वाले नागरिक अस्पताल, हिसार के चिकित्सक डॉ. कौशल व महाराजा अग्रसेन अस्पताल, अग्रोहा की चिकित्सक डॉ. दिव्या को भी स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

रक्तदान एक निस्वार्थ सेवा : मुकेश अग्रवाल

विशिष्ट अतिथि डॉ. मुकेश अग्रवाल ने बताया कि रक्तदान एक निस्वार्थ सेवा व श्रद्धा है, जिसका कोई अन्य विकल्प नहीं है। उन्होंने बताया कि 18 से 65 साल आयु वर्ग के लोग हर तीन माह में रक्तदान कर सकते हैं। इस मुहिम में रेडक्रॉस सोसाइटी बड़ी भूमिका अदा कर रही है। विशिष्ट अतिथि ने उपस्थित युवाओं को अधिक से अधिक रक्तदान करने और समाज से जुड़े हित कार्यों में आगे आने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि कमी नहीं है हर जरूरतमंद पर भगवान का नाम है, जो व्यक्ति भक्ति भाव का होता है, जहां इंसान-इंसान के काम आता है। 2022-23 में केवल हरियाणा प्रांत के रक्तदाताओं से 3.24 लाख यूनिट रक्त एकत्रित किया गया, जोकि लोगों की सकारात्मक सोच को दर्शाता है। डॉ. अग्रवाल ने हरियाणावासियों द्वारा समय-समय रक्तदान से संबंधित चलाए जा रहे अभियानों और योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा की। रेडक्रॉस से सीधे तौर पर 2400 युवाओं को सीधे तौर पर जोड़ा है, जोकि स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों व समाज में जाकर अधिक से अधिक युवाओं को रक्तदान करने के लिए प्रेरित करेंगे। उन्होंने 40 विश्वविद्यालयों में रक्तदान मुहिम से जुड़ने और उनमें चल रही गतिविधियों व कार्यों के बारे सभी जानकारियां साझा की। उन्होंने कहा कि स्कूल स्तर पर जूनियर रेडक्रॉस सोसाइटी का गठन किया गया है, जोकि रक्तदान करने से संबंधित भ्रांतियों को दूर करने का काम करते हैं।

शिविर में रक्तदान करने वाले वैज्ञानिकों, शिक्षकों, छात्रों, कर्मचारियों सहित विद्यार्थियों का मुख्यातिथि ने हालचाल जाना साथ ही बैज लगाकर उनका उत्साहवर्धन भी किया। शिविर में कुल 180 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष	28-11-2023	--	--

हकृवि में रक्तदान शिविर कल, पोस्टर मेकिंग के जरिए विद्यार्थी करेंगे रक्तदान करने के लिए प्रेरित

रक्तदान शिविर इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में सुबह 9 बजे आरंभ होगा

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 28 नवम्बर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में 29 नवंबर को एक दिवसीय रक्तदान शिविर लगाया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज बतौर मुख्यातिथि के रूप में रक्तदान शिविर का उद्घाटन करेंगे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी, हरियाणा के महासचिव डॉ. मुकेश अग्रवाल मौजूद रहेंगे। इस रक्तदान शिविर का आयोजन विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय के अंतर्गत यूथ रेडक्रॉस और राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने यह जानकारी देते हुए बताया कि रक्तदान शिविर इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में सुबह 9 बजे आरंभ होगा, जिसमें हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और इससे जुड़े महाविद्यालयों के विद्यार्थी, शिक्षक व गैरशिक्षक कर्मचारी हिस्सा लेंगे और स्वेच्छा से रक्तदान करेंगे। यूथ रेडक्रॉस के प्रोग्राम को-ऑर्डिनेटर डॉ. चंद्रशेखर डागर व

राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. भगत सिंह ने बताया कि रक्तदान शिविर के दौरान रक्तदान महादान विषय पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें विश्वविद्यालय व इससे जुड़े महाविद्यालयों और कैंपस स्कूल के विद्यार्थी भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में विजेता रहे विद्यार्थियों को मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज द्वारा सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने विश्वविद्यालय के अधिष्ठाताओं, निदेशकों एवं विभागों व अनुभागों के अध्यक्षों, वैज्ञानिकों, शोधार्थियों, शिक्षकों, गैरशिक्षकों सहित विद्यार्थियों को इस पुनीत कार्य में बढ़-चढ़कर योगदान देने के लिए आह्वान किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे	29.11.2023	--	--

हकृवि में रक्तदान शिविर कल, पोस्टर मेकिंग के जरिए विद्यार्थी करेंगे रक्तदान करने के लिए प्रेरित

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में 29 नवंबर को एक दिवसीय रक्तदान शिविर लगाया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज बतौर मुख्यातिथि के रूप में रक्तदान शिविर का उद्घाटन करेंगे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी, हरियाणा के महासचिव डॉ. मुकेश अग्रवाल मौजूद रहेंगे। इस रक्तदान शिविर का आयोजन विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय के अंतर्गत यूथ रेडक्रॉस और राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है।

छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने यह जानकारी देते हुए बताया कि रक्तदान शिविर इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में सुबह 9 बजे आरंभ होगा, जिसमें हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और इससे जुड़े महाविद्यालयों के विद्यार्थी, शिक्षक व गैरशिक्षक कर्मचारी हिस्सा लेंगे और स्वेच्छा से रक्तदान करेंगे।

यूथ रेडक्रॉस के प्रोग्राम को-ऑर्डिनेटर डॉ. चंद्रशेखर डागर व राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. भगत सिंह ने बताया कि रक्तदान शिविर के दौरान रक्तदान महादान विषय पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें विश्वविद्यालय व इससे जुड़े महाविद्यालयों और कैंपस स्कूल के विद्यार्थी भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में विजेता रहे विद्यार्थियों को मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज द्वारा सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने विश्वविद्यालय के अधिष्ठाताओं, निदेशकों एवं विभागों व अनुभागों के अध्यक्षों, वैज्ञानिकों, शोधार्थियों, शिक्षकों, गैरशिक्षकों सहित विद्यार्थियों को इस पुनीत कार्य में बढ़-चढ़कर योगदान देने के लिए आह्वान किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	30.1.23	2	2.8

सार्थक प्रयास • 1 करोड़ 51 लाख में प्लांट हुआ तैयार, जापान, कोरिया, स्पेन में 80% सब्जियों की पौध ग्राफ्टिंग से तैयार हो रहीं, भारत में सिर्फ 5%

प्रदेश का सबसे बड़ा ग्राफ्टिंग सेंटर तैयार, अब बंद पॉली हाउस में लगेंगी सब्जियां

धर्मेंद्र झा | हिसार

हिसार के चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय में प्रदेश का सबसे बड़ा सब्जियों का ग्राफ्टिंग सेंटर एक करोड़ 51 लाख रुपए में बन कर तैयार हो गया है। यहां ग्राफ्टिंग तकनीक से सब्जियों में नए-नए प्रयोग किए जाएंगे। इसका उद्घाटन नए साल में होने की संभावना है। जापान, कोरिया, स्पेन जैसे देशों में 1920 से ही 80 प्रतिशत सब्जियों का उत्पादन ग्राफ्टिंग पौध से हो रहा है। भारत में अभी यह 5 प्रतिशत भी नहीं है।

इस सेंटर का उद्देश्य ग्राफ्टिंग तकनीक से सब्जियों की जड़ों को बदलकर उन्हें किसी भी प्रकार के रोगों व खराब मौसम से बचाना और बिना रसायनों के आर्गेनिक उत्पादन बढ़ाना है। निजी क्षेत्र में छत्तीसगढ़ में ग्राफ्टिंग का काम पहले से किया जा रहा है, लेकिन सरकारी स्तर पर इस तरह का डेडिकेटेड ग्राफ्टिंग सेंटर पहली बार बन रहा है। इससे कई फायदे होंगे जैसे पोली हाउस में लगातार एक जैसी सब्जियां खासकर खीरा, टमाटर, शिमला मिर्च उगाने से तीन-चार साल बाद मिट्टी में नेमाटोड का प्रकोप बढ़ जाता है। इस कारण सैकड़ों पॉली हाउस बेकार पड़े हैं। एचएयू ने 5 साल में 817 पॉली हाउस में किए सर्वे में 420 में रोग पाया गया। यानी 51% पॉली हाउस को बीमारी से चलते बंद करना पड़ा। ग्राफ्टिंग के जरिए सब्जियों की पौध को ऐसी जंगली प्रजाति की जड़ों से तैयार किया जाएगा जिन पर नेमाटोड का असर ही नहीं होता। ऐसे में इन पौध से किसान पॉली हाउस में फिर से उत्पादन ले सकेंगे। ग्राफ्टिंग सेंटर में प्रथम चरण में 50 हजार पौध तैयार करने का लक्ष्य रखा है।

इस यूनिट के निर्माण से ग्राफ्टिंग तकनीक पर चल रहे शोध को गति मिलेगी। सब्जियों के उत्पादन में नए आयाम स्थापित होंगे। समस्या के अनुरूप चयनित रूट स्टॉक पर ग्राफ्टिंग कर किसानों के लिए पौध तैयार की जाएगी। किसानों को भी ग्राफ्टिंग की ट्रेनिंग दी जाएगी। बेरोजगार युवा इसे सीखकर व्यवसाय के रूप में भी अपना सकते हैं।
-प्रो. बी.आर. काम्बोज, कुलपति, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार।

खारे पानी में भी होगा उत्पादन

ग्राफ्टिंग से किसान बेमौसम किसी भी सब्जियों का उत्पादन कर सकेंगे। विल्ट फ्यूसीरियम रोग के कारण पौधों की पत्तियां मुरझाने लगती है। इस कारण हिसार में पिछले 10 सालों से टिंडा की फसल न के बराबर हो रही है। इस तकनीक से किसान टिंडा, तरबूज, खरबूजा पूरे साल उत्पादित कर सकेंगे। जहां खारा पानी है, वहां किसान पालक के अलावा अन्य सब्जी नहीं ले पाते। जड़ों की ग्राफ्टिंग से कोई भी सब्जी उगा सकेंगे।

क्या है ग्राफ्टिंग तकनीक

तकनीक में दो अलग-अलग पौधों को उनके गुणों के आधार पर जोड़कर एक पौधा तैयार किया जाता है। पौधे के तनों में ऐसे प्रजाति की जड़ें जोड़ दी जाती है, जिन पर बीमारियों का असर नहीं होता है। जैसे टमाटर में बैंगन की जड़ें ग्राफ्ट की जाती हैं। इससे जड़ तो बैंगन की होती है लेकिन ऊपरी हिस्सा टमाटर का रहता है।

ग्राफ्टिंग से किसानों को लाभ होगा, उत्पादन भी बढ़ेगा

- रसायन के कम उपयोग से लागत घटेगी।
- फसल चक्र बदलने में सहायक होंगे, जड़ गलन वाली बीमारियों से राहत।
- उत्पादन भी 10 से 12% तक बढ़ेगा।

सब्जियों में न्यूट्रिशन लेवल बढ़ेगा व टेस्ट भी बदलेगा

- आर्गेनिक होने से सब्जियों में न्यूट्रिशन लेवल बढ़ेगा और टेस्ट में भी फर्क रहेगा।
- अर्बन और किचन गार्डन में भी ग्राफ्टिंग कामयाब। घर में भी सब्जी उगा सकते हैं।
- ग्राफ्टिंग के जरिए एक ही पौधे पर दो दो सब्जी ले सकेंगे।